दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 11.02.2019

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 11.02.2019 को मनोविज्ञान विभाग के वार्षिकोत्सव पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. वेंकटरमन पाण्डेय ने मानसिक स्वास्थ्य विषय पर कहा कि व्यक्ति के सफल समायोजन के लिए उसके संज्ञान का उचित दिशा में विकास करना आवश्यक होता है। यदि व्यक्ति के विकास की प्रक्रिया में सही संज्ञान का अभाव होगा तो उसमें अनेक प्रकार की विकृतिया उत्पन्न होती हैं, जैसे मानसिक, शारीरिक आघात, शरीर में अनावश्यक उत्तेजना का भाव, स्मृति का लोप पैदा हो जाता है। उन्होने इन सभी प्रकार के विकारों की रोकथाम एवं उनके उपचार की कुशल विधियों को ढंग से समझाया।

मुख्य अतिथि डॉ. विनोद कुमार गुप्ता ने तनाव के प्रबन्धन के बारे में कहा कि विद्यार्थियों को समय का उपयोग उचित ढंग से करना चाहिए। परीक्षा के समय अपने पाठ्यक्रम की तैयारी क्रमबद्ध रूप से करनी चाहिए। यद्धपि परीक्षा का तनाव सार्वभौमिक है तथा इसे पूर्णतः समाप्त नहीं किया जा सकता किन्तु इस तनाव के अवसर को उचित प्रबन्धन द्वारा कम किया जा सकता है।

उक्त अवसर पर मनोविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं शशि कुमार, आंकाक्षा, रामकेश, उत्कर्ष, अहमद रजा, स्नेहा, शिखा, खुशबू आकांक्षा गुप्ता, आयुषि आदि ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कायग्क्रमों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी छात्र/छात्राओं बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संचालन कार्यक्रम का शालू यादव व प्रियरंजन ओझा ने तथा आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. विवेक शाही ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुनील सिंह,डॉ. संजीत सिंह, डॉ. विकासमणि त्रिपाठी, डॉ. चण्डी प्रसाद पाण्डेय, श्री सुरेन्द्र चौहान सहित विभाग के छात्र/छात्रायें उपस्थित थे। ।

डॉ. (मुरली मनोहर तिवारी)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क
मोबाइल नं–9452879449